# उद्देश्य बिंदु (Aims & Objects)

**उद्देश्य - "भगवान लकुलीशजीके शिव संकल्प "सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" को साकार करने नैतिकता, सात्त्विकता, आध्यात्मिकता के प्रसार और परमार्थ कार्यो द्वारा विश्व में शांति, नीति, एकता की स्थापना करना है।"**

**(1) "लकुलीश योगाश्रम"** द्वारा सनातन संस्कृति प्रशिक्षण, नैतिकता, सात्विकता, आध्यात्मिकता के प्रसार द्वारा शांति, नीति, एकता की स्थापना हेतु अतिथि निवास, भोजनालय, यज्ञशाला, देवालय, ग्रंथालय, सत्संगभवन, गौशाला, संतनिवास, मौनकुटीर, गुरुकुल व्यवस्था

**(2) "लकुलीश तपोवन"** साधकों के लिए शरीर, मन, प्राण, ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं और ईश्वरीय शक्ति से तादात्म्य साधकर आध्यात्मिक उन्नति हेतु निवासीय व्यवस्था। यज्ञ-देवपूजन प्रशिक्षण और सनातन संस्कृति सत्संग एवं प्रशिक्षण आयोजनों।

**(3) "लकुलीश सनातन संस्कृति कार्यालय"** द्वारा शहरों में यज्ञ-देवपूजन प्रशिक्षण, सनातन संस्कृति सत्संग प्रशिक्षण, अतिथि निवास, यज्ञशाला, देवालय, ग्रंथालय व्यवस्था।

**(4) "लकुलीश गौ शाला"** द्वारा भारतीय देशी नस्ल की गौ एवं गौ वंश की सेवा और पंचगव्य के लाभ का प्रचार प्रसार ।

**(5) "लकुलीश योग विद्यापीठ"** द्वारा योग विद्या के प्रशिक्षण से मानवों की आध्यात्मिक उन्नति के साथ स्वस्थ जीवन के लिए मार्गदर्शन ।

**(6) "हिन्दु गुरुकुल - लकुलीश सनातन संस्कृति विद्यापीठ"** द्वारा हिन्दु बालकों को भौतिक विद्या के साथ संस्कृत भाषा एवं वेद, उपनिषद, भगवद्गीता, योग, यज्ञ, सोलह संस्कार प्रशिक्षण, देव पूजन, संध्या कर्म और स्वसुरक्षा प्रशिक्षण ।

**(7) "लकुलीश सनातन संस्कृति ग्रंथालय"** द्वारा सनातन संस्कृति के ज्ञान विज्ञान के साहित्य एवं जीवनोत्कर्ष हेतु उपयोगी साहित्य को सुलभ बनाना ।

**(8) "लकुलीश अन्नक्षेत्र"** नि:शुल्क भोजन संचालन ।

**(9) "नित्य यज्ञ", "नैमित्तिक यज्ञो" और "देव पूजन"** द्वारा देव शक्तियों का मानव जीवन में एवं पृथ्वी पर अवतरण और वायु मंडल की शुद्धि द्वारा स्वास्थ्य लाभ प्राप्ति ।

**(10) "मौन कुटीर"** द्वारा साधकों को बहिर्मुख से अंतर्मुखी बनकर ईश्वरीय शक्ति के साथ तादात्म्य जोड़ने एवं दुर्गुणों को दूर कर सद्गुणों को धारण करने की अनुकूलता।

**(11) "लकुलीश सेवा यज्ञ"** अंतर्गत सर्दियों में ब्लेन्केट वितरण, गर्मीयों में स्लिपर वितरण, पानी की प्याऊँ की व्यवस्था, पक्षीयों के लिए दाना-भोजन सेवा एवं घोंसले-जलपात्र वितरण, गरीब बच्चों के लिए नोटबुक पेन इत्यादि वितरण, संस्कार सिंचन साहित्य वितरण ।

**(12) "आपातकालीन सेवा सहायता"** अंतर्गत कुदरती आपदा ग्रस्त विस्तारों में बूंदी, सुखड़ी (गुड़पापडी), फूलवडी के फूड पेकेट, ब्लेन्केट, स्लीपर, दवाईयाँ इत्यादी सहायता।

**(13) "वृक्षारोपण और वृक्षों का जतन"** द्वारा वृक्ष वनराजी का संरक्षण करते हुए प्रदुषण से जीवसृष्टि का संरक्षण, पशु पक्षीयों के निवास और भोजन, मानवों को फल, फूल, औषधि, समिधा, लकड़ीयाँ इत्यादि की प्राप्ति।

**(14) "लकुलीश सनातन संस्कृति केन्द्र"** की स्थापना द्वारा ग्राम, सोसायटीयों में बालकों, युवाओं और सभी को संस्कार सिंचन, सत्संग, संस्कृति मार्गदर्शन, योग यज्ञ प्रशिक्षण और जीवसेवा कार्य का प्रसार।

**(15) "लकुलीश सेवासंघ"** द्वारा ग्राम और शहर में बालकों, युवा, प्रौढ़, वृद्ध सभी को सनातन संस्कृति, सेवा, योग कार्यो के लिये संगठीत, प्रोत्साहित और लाभान्वित करना, साधु संतो की सेवा, सत्संग आयोजनों, मेडिकल केम्प, पौधा रोपण, भोजन भंडारा, पुराने देवालयो में पूजन, भजन, कीर्तन, स्वरक्षा एवं धर्मरक्षा प्रशिक्षण, परमार्थ कार्य करना।

**(16) "सत्संग आयोजनों"** द्वारा सनातन संस्कृति के कल्याणकारी मूल्यों को जीवन में उतारने एवं भाईचारा, एकता, क्षमा, दया, करुणा के गुणों को विकसित कर समाज से बुराइयाँ, हिंसा, अनीति, अधर्म को कम करने, सेवा सत्कार्य बढ़ाने हेतु एवं मुमुक्षुजनों को मार्गदर्शन।

**(17) "लकुलीश उपचार केन्द्र"** द्वारा मानवों को स्वस्थ जीवन हेतु मार्गदर्शन, बीमार को निदान और उपचार व्यवस्था एवं पशुओ के लिए भी उपचार विभाग ।

**(18) अपरा और परा विद्या हेतु शिक्षा दीक्षा।**